• किसी कार के हॉर्न से चौंककर वह वर्तमान में आ गया।

Ans) यात्री

• उसके लिए यह चढ़ाई खास मायने नहीं रखती थी।

Ans) नया रिक्शेवाला

• वह अपराधी की भाँति सिर झुकाई चल रहा था।

Ans) यात्री

२) यात्री का मन संघर्ष से भरा था। वह अपना संघर्ष डायरी में लिख रहा है। वह डायरी लिखें।

* असलम की मृत्यु की खबर
* असलम के प्रती अपना व्यवहार
* हमदर्दी का अभाव
* पश्चाताप से उत्पन्न अनुताप

Ans)

रविवार
26.8.2020

असलम का चेहरा मेरे स्मृति-पट से हटते नहीं। रोज़ मुझे दफ़्तर पहूँचनेवाला असलम अब नहीं रहा। यह खबर सुनकर मुझे शाक-सा लगा। कल रिक्शा चलाते समय वह बहुत थकी हुई नज़र आई थी। उन्हें देखकर मेरे मन में हमदर्दी की भावना जाग उठी। तुरंत मन में यह विचार आया कि शायद यह उनका नाटक होगा। इसलिए मैं रिक्शा पर बैठा रहा। अब मेरा मन पश्चाताप से भरे हैं। काश मुझे असलम की बीमारी का पता होता तो निश्चय ही उसकी सहायता करता। पश्चाताप से उत्पन्न अनुताप ने मेरे मन को विह्वल कर दिया। मैं एक अपराधी की तरह सिर झुकाए दफ़्तर की ओर चला।